

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

सीएम योगी का बड़ा बयान : अपराधियों का होगा 'आधा एनकाउंटर', कानून तोड़ने वालों को भुगतना होगा अंजाम

Sanket Morankar

Published on 20 Sep 2025



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने साफ कहा कि “कानून तोड़ने वालों का हथ्र वही होगा जो अब तक अपराधियों का हुआ है—आधा एनकाउंटर।” मुख्यमंत्री के इस बयान ने न केवल अपराधियों में डर पैदा कर दिया है बल्कि राजनीतिक हलकों और आम जनता के बीच भी चर्चा का विषय बन गया है।

सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा कि यूपी सरकार अपराध और अपराधियों के साथ किसी प्रकार की नरमी नहीं बरतेगी। उन्होंने कहा कि “कानून का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जो भी कानून तोड़ेगा, उसे पुलिस का जवाब झेलना पड़ेगा। अपराधियों के लिए अब सिर्फ दो रास्ते हैं—या तो कानून का पालन करे या फिर एनकाउंटर का सामना करे।”

योगी आदित्यनाथ के बयान में इस्तेमाल किया गया शब्द ‘आधा एनकाउंटर’ तेजी से चर्चा का विषय बन गया है। इसका आशय यह है कि अपराधियों को चेतावनी और कड़ी कार्रवाई दोनों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी और जरूरत पड़ने पर एनकाउंटर भी किया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने कई कुख्यात अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए एनकाउंटर नीति अपनाई है, जिससे अपराध दर में गिरावट दर्ज की गई है।

सीएम योगी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में उनकी सरकार आने के बाद अपराध दर में भारी कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, डकैती, लूट, हत्या और महिला अपराधों में गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार की प्राथमिकता “अपराध मुक्त समाज और भयमुक्त वातावरण” है।

पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि अपराधियों पर कड़ी नजर रखें और किसी भी घटना पर तत्काल कार्रवाई करें।

सीएम योगी के इस बयान पर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नेताओं का कहना है कि “आधा एनकाउंटर” जैसी भाषा कानून के शासन के खिलाफ है। उनका आरोप है कि यूपी सरकार पुलिस एनकाउंटर को राजनीतिक

हथियार बना रही है। विपक्ष का कहना है कि कानून के तहत हर आरोपी को न्याय पाने का अधिकार है, और इस तरह के बयान न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं।

जनता के बीच इस बयान को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया है। कुछ लोगों का मानना है कि अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी ही चाहिए ताकि समाज में भय और अपराध कम हो। वहीं कुछ लोग कहते हैं कि पुलिस कार्रवाई में कभी-कभी निर्दोष भी फंस जाते हैं, इसलिए “आधा एनकाउंटर” जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने से पहले सरकार को सोचना चाहिए।

सीएम योगी के बयान से यूपी पुलिस को भी स्पष्ट संदेश मिला है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राज्य में अपराधियों पर पहले से ही सख्त कार्रवाई की जा रही है। कई कुख्यात बदमाश या तो जेल में हैं या फिर पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। पुलिस का दावा है कि इस सख्ती की वजह से अपराधियों का मनोबल टूटा है और **नए अपराधियों को अपराध की राह पर जाने से पहले सौ बार सोचने पर मजबूर होना पड़ रहा है।**

योगी सरकार की इस नीति ने अपराधियों में डर पैदा किया है। पिछले कुछ महीनों में कई अपराधियों ने खुद थाने जाकर आत्मसमर्पण किया है। यह दर्शाता है कि ‘**एनकाउंटर नीति**’ का असर जमीन पर दिख रहा है। सीएम योगी का “आधा एनकाउंटर” वाला बयान इस खौफ को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सीएम योगी का यह बयान सिर्फ अपराधियों के लिए चेतावनी नहीं, बल्कि **राजनीतिक रणनीति** भी है। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था हमेशा चुनावी मुद्दा रही है। योगी सरकार अपने मजबूत शासन और अपराध नियंत्रण की छवि जनता के सामने पेश करना चाहती है।

हालांकि, आलोचकों का कहना है कि पुलिस एनकाउंटर हमेशा विवादित रहे हैं और सरकार को **संवैधानिक ढांचे के भीतर रहकर ही अपराध पर नियंत्रण करना चाहिए।**

योगी आदित्यनाथ के इस बयान से साफ है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश पुलिस अपराधियों के खिलाफ और अधिक **सख्त रवैया** अपनाने वाली है। सरकार की प्राथमिकता कानून व्यवस्था बनाए रखना और आम जनता को सुरक्षित माहौल देना है। अब देखना यह होगा कि यह नीति अपराध पर रोक लगाने में कितनी प्रभावी होती है और विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का सरकार कैसे जवाब देती है। सीएम योगी आदित्यनाथ का “**आधा एनकाउंटर**” वाला बयान उत्तर प्रदेश की राजनीति और कानून-व्यवस्था दोनों में हलचल मचा चुका है। अपराधियों के लिए यह साफ संदेश है कि अब उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन, इस नीति पर उठ रहे सवाल यह भी दिखाते हैं कि सरकार को कानून और न्याय की सीमाओं का ध्यान रखते हुए ही आगे कदम बढ़ाना होगा।